

29 $\frac{8}{24}$

पत्रावली पेक्षा इन्ही वकील प्रार्थी व
प्रार्थी का आवान लगाई गई बार-बार
आवान लगान के बावजूद भी वकील प्रार्थी
व प्रार्थी न्यायालय में हाजिर नहीं होना

हुक्म

हस्ताक्षर

अहकथ जा इल
की तारीख में जारी

पर प्राची का सेवेदन अ. द्वारा 251 राज.
 क्रम. यधि. ओ देका अन्तर्गत 9 विभाग डके
 नई न खासिय क्रिया जाना है। पत्रावली के सल
 शमार होकर नम्बर से कम होकर ही खिल
 हफ्तर हो।

